

05 मई 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी:

1. क्या नया ऑर्गेनेल इंजीनियर पौधों के नाइट्रोजन स्थिरीकरण में मदद कर सकता है?
2. H5N1 का प्रकोप: संचरण का मार्ग अस्पष्ट:
3. बोइंग क्रू अंतरिक्ष परीक्षण क्यों महत्वपूर्ण है?

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. केंद्र ने प्याज से निर्यात प्रतिबंध हटाया, लेकिन शर्तें लागू:
2. एवियन फ्लू के प्रकोप के बीच बत्तख पालन पर मौत का खतरा मंडरा रहा है:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

क्या नया ऑर्गेनेल इंजीनियर पौधों के नाइट्रोजन स्थिरीकरण में मदद कर सकता है?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी:

विषय : विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विकास, रोजमर्रा की जिंदगी में वैज्ञानिक विकास के अनुप्रयोग

मुख्य परीक्षा : नाइट्रोजन स्थिरीकरण में नए अंगक का महत्व

प्रसंग : हाल की खोजों ने एंडोसिम्बायोटिक सिद्धांत में रुचि फिर से जगा दी है, जिसमें नाइट्रोप्लास्ट नामक एक नए ऑर्गेनेल का प्रस्ताव दिया गया है, जो पौधों की कोशिकाओं के भीतर नाइट्रोजन निर्धारण में भूमिका निभाता है। यह विकास कृषि और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखता है।

एंडोसिम्बायोटिक सिद्धांत और सहजीवन

- एंडोसिम्बायोटिक सिद्धांत से पता चलता है कि माइटोकॉन्ड्रिया और क्लोरोप्लास्ट जैसे अंग कभी मुक्त-जीवित बैक्टीरिया थे जो यूकेरियोटिक कोशिकाओं में शामिल हो गए।
- लिन मार्गुलिस ने विकास में सहजीवी संबंधों की भूमिका पर जोर देते हुए, नव-डार्विनवादी सर्वसम्मति के विकल्प के रूप में सहजीवन का प्रस्ताव रखा।

हाल की खोजें और नाइट्रोजन स्थिरीकरण

- साइंस एंड सेल में प्रकाशित हालिया शोधपत्रों ने नाइट्रोजन स्थिरीकरण पर प्रकाश डाला है, जो सभी जीवित जीवों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।
- नाइट्रोजन स्थिरीकरण वायुमंडलीय नाइट्रोजन गैस को अमोनिया में परिवर्तित करता है, जिससे यह पौधों के लिए सुलभ हो जाती है। उदाहरण के लिए, फलियां अपनी जड़ की गांठों में नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणुओं की मेजबानी करती हैं।

नाइट्रोप्लास्ट की खोज

- समुद्री शैवाल में कैंडिडेटस एटेलोसाइनोबैक्टीरियम थैलासा नामक एक साइनोबैक्टीरियम की खोज की गई, जिसने एक सहजीवी संबंध स्थापित किया।
- नाइट्रोप्लास्ट, जिसे एक नए ऑर्गेनेल के रूप में पहचाना जाता है, अपने मेजबान कोशिका के साथ विकसित हुआ और ऑर्गेनेल वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा करता है, जिसमें एकीकरण, प्रोटीन आयात, मेजबान कोशिका विकास के साथ सिंक्रनाइज़ेशन और कोशिका विभाजन के दौरान विरासत शामिल है।

कृषि और जैव प्रौद्योगिकी के लिए निहितार्थ

- नाइट्रोजन निर्धारण कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और औद्योगिक अमोनिया उत्पादन के हानिकारक दुष्प्रभाव होते हैं।
- नाइट्रोप्लास्ट की खोज से जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए रास्ते खुल गए हैं, जैसे पौधों की कोशिकाओं में कुशल नाइट्रोजन स्थिरीकरण के लिए मेजबान कोशिकाओं और नाइट्रोप्लास्ट की इंजीनियरिंग करना।

समस्याएँ

- वास्तविक ऑर्गेनेल के रूप में नाइट्रोप्लास्ट की स्थापना के लिए आगे के अध्ययन की आवश्यकता है, विशेष रूप से आनुवंशिक सामग्री के नुकसान और मेजबान कोशिका नाभिक में प्रवास के संबंध में।
- जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, जैसे कि नाइट्रोजन स्थिरीकरण के लिए पादप कोशिकाओं की इंजीनियरिंग, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पैदा करते हैं और वर्तमान में सैद्धांतिक हैं।

समाधान

- ऑर्गेनेल के रूप में नाइट्रोप्लास्ट की स्थिति को मान्य करने और उनके आनुवंशिक तंत्र को समझने के लिए निरंतर अनुसंधान और प्रयोग आवश्यक हैं।
- जीवविज्ञानियों, आनुवंशिकीविदों और कृषि वैज्ञानिकों के बीच सहयोग नाइट्रोप्लास्ट का उपयोग करके जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के विकास में तेजी ला सकता है।

सारांश : स्वतंत्र नाइट्रोजन-फिक्सिंग ऑर्गेनेल के रूप में नाइट्रोप्लास्ट की खोज कृषि और जैव प्रौद्योगिकी के लिए व्यापक संभावित निहितार्थ के साथ एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। आशाजनक होते हुए भी, व्यावहारिक अनुप्रयोगों की प्राप्ति के लिए सभी विषयों में और अधिक शोध और सहयोग की आवश्यकता होती है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

H5N1 का प्रकोप: संचरण का मार्ग अस्पष्ट:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी:

विषय: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विकास, रोजमर्रा की जिंदगी में वैज्ञानिक विकास के अनुप्रयोग

प्रारंभिक परीक्षा : H5N1

मुख्य परीक्षा : H5N1 फैलने के कारण

प्रसंग: अमेरिका के नौ राज्यों में मवेशियों के झुंडों में एवियन इन्फ्लुएंजा H5N1 का प्रकोप सामने आया है, जिसके संचरण और मानव स्वास्थ्य पर संभावित प्रभाव के बारे में चिंताएं हैं। प्रकोप ने संचरण के मार्ग, पता लगाने के तरीकों और रिवर्स स्पिलओवर घटनाओं की संभावना के बारे में सवाल उठाए हैं। भारत में भी इसी तरह का प्रकोप हुआ है, जो मुख्य रूप से मुर्गीपालन को प्रभावित कर रहा है। वायरस के संचरण की गतिशीलता को समझना और उचित शमन रणनीतियों को लागू करना महत्वपूर्ण है।

एवियन इन्फ्लुएंजा H5N1 का प्रसार

- एवियन इन्फ्लुएंजा A H5N1 वंश 2.3.4.4.b, जो 2022 में उभरा, विश्व स्तर पर फैल गया है, जिससे एवियन प्रजातियां प्रभावित हो रही हैं और स्तनधारी आबादी में फैल रही हैं।
- अमेरिका में हालिया प्रकोप ने 36 मवेशियों के झुंडों को प्रभावित किया है और हल्के लक्षणों के एक प्रलेखित मानव मामले के साथ, फार्म बिल्लियों से जुड़ा हुआ है।

अस्पष्ट संचरण मार्ग

- मवेशियों के झुंडों के बीच संचरण का सटीक मार्ग अस्पष्ट बना हुआ है, जिसमें दूषित चारा, दूध देने वाले उपकरण, या हवाई संचरण सहित संभावनाएं शामिल हैं।
- इस बारे में सवाल बने हुए हैं कि मवेशियों की आबादी के बीच वायरस का पता कैसे चल सका और मुर्गीपालन में विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना क्या है।

जीनोमिक डेटा का महत्व

- अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने वायरस के लिए जीनोमिक डेटा प्रदान किया है, जो इसकी उत्पत्ति और संभावित संचरण पैटर्न में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- जीनोम में स्तनधारी अनुकूलन उत्परिवर्तन की पहचान की गई है, जो मवेशियों में व्यापक प्रसार और रिवर्स स्पिलओवर घटनाओं की संभावना का संकेत देता है।

वैश्विक निहितार्थ और सहयोग

- भारत में भी इसी तरह का एवियन इन्फ्लुएंजा का प्रकोप हुआ है, जो मुख्य रूप से पोल्ट्री को प्रभावित करता है, जो वायरस के वैश्विक प्रसार को उजागर करता है।
- ट्रांसमिशन की गतिशीलता को समझने और शमन रणनीतियों को विकसित करने के लिए देशों और संगठनों के बीच सक्रिय निगरानी और सहयोग आवश्यक है।

समस्याएँ

- मवेशियों के झुंडों के बीच स्तनधारी संचरण के मार्ग और वायरस की पहचान से बचने की क्षमता के बारे में अनिश्चितता बनी हुई है।
- पोल्ट्री में रिवर्स स्पिलओवर घटनाओं की संभावना मनुष्यों में संचरण के जोखिम और आगे के शोध की आवश्यकता के बारे में चिंता पैदा करती है।

सारांश : मवेशियों के झुंडों में एवियन इन्फ्लुएंजा A H5N1 का प्रकोप संचरण गतिशीलता को समझने और समय पर शमन रणनीतियों को लागू करने के महत्व को रेखांकित करता है। वायरस के वैश्विक प्रसार को संबोधित करने और मनुष्यों में संचरण के जोखिम को कम करने के लिए देशों और संगठनों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है। पशु और मानव स्वास्थ्य दोनों पर एवियन इन्फ्लुएंजा के प्रकोप के प्रभाव को कम करने के लिए सक्रिय निगरानी और अनुसंधान प्रयास आवश्यक हैं।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

बोइंग कू अंतरिक्ष परीक्षण क्यों महत्वपूर्ण है?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी:

विषय: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विकास, रोजमर्रा की जिंदगी में वैज्ञानिक विकास के अनुप्रयोग

मुख्य परीक्षा : बोइंग कू अंतरिक्ष परीक्षण का महत्व

प्रसंग: बोइंग सीएसटी-100 स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान का आगामी चालक दल अंतरिक्ष परीक्षण अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अनुभवी अंतरिक्ष यात्री बैरी विल्मोर और सुनीता विलियम्स के साथ 7 मई, 2024 को लॉन्च होने के लिए तैयार, यह मिशन नासा के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें दो अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में लॉन्च करने में सक्षम हैं, जो अतिरेक और विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं।

परियोजना की घोषणा और देरी

- इस परियोजना की घोषणा 16 सितंबर 2014 को की गई थी, जब नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक ले जाने के लिए स्पेसएक्स और बोइंग को अनुबंध दिया था।
- देरी ने परियोजना को प्रभावित किया, जिससे पहले चालक दल के प्रक्षेपण को प्रारंभिक अपेक्षित 2017 से मई 2024 तक धकेल दिया गया, जिसमें सात साल की देरी हुई।
- दिसंबर 2019 में पहली मानव रहित कक्षीय परीक्षण उड़ान के दौरान सॉफ्टवेयर त्रुटि सहित तकनीकी मुद्दों ने देरी में योगदान दिया।
- COVID-19 महामारी ने समय-सीमा की असफलताओं को और बढ़ा दिया है।

बजट ओवरशूट

- परियोजना के लिए बोइंग का बजट \$1.4 बिलियन से अधिक हो गया, जो विकास और परीक्षण चरणों के दौरान आने वाली चुनौतियों और देरी को दर्शाता है।

प्रतिस्पर्धी स्पेसएक्स की सफलता

- बोइंग के प्रतिस्पर्धी स्पेसएक्स ने अपने ड्रैगन क्रू कैप्सूल के साथ आईएसएस के लिए 13 सफल मिशन उड़ाए हैं, जो बोइंग के लिए तत्परता को उजागर करता है।

बोइंग के लिए क्रू अंतरिक्ष उड़ान का महत्व

- एयरोस्पेस उद्योग में बोइंग की प्रतिष्ठा उसके वाणिज्यिक एयरलाइनरों, विशेषकर 737 मैक्स 8 के साथ मुद्दों के कारण जांच के दायरे में रही है।
- स्टारलाइनर क्रू अंतरिक्ष परीक्षण की सफलता बोइंग के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी क्षमता और विश्वसनीयता प्रदर्शित करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो संभावित रूप से अपने वाणिज्यिक विमानन असफलताओं के नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकती है।

स्टारलाइनर का उद्देश्य

- स्टारलाइनर का लक्ष्य रूस के सोयुज रॉकेट और कैप्सूल का विकल्प प्रदान करते हुए आईएसएस से अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाना है, जो 2011 में नासा द्वारा अपने अंतरिक्ष शटल कार्यक्रम को बंद करने के बाद परिवहन का एकमात्र साधन थे।

सारांश: बोइंग सीएसटी-100 स्टारलाइनर क्रू अंतरिक्ष परीक्षण अंतरिक्ष अन्वेषण क्षेत्र में खुद को एक विश्वसनीय खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की दिशा में कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है। चुनौतियों और असफलताओं के बावजूद, इस मिशन के सफल क्रियान्वयन से न केवल नासा की क्षमताओं में वृद्धि होगी बल्कि एयरोस्पेस उद्योग में बोइंग की विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी।

संपादकीय-द हिन्दू

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. केंद्र ने प्याज से निर्यात प्रतिबंध हटाया, लेकिन शर्तें लागू

प्रसंग: भारत सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगभग छह महीने से लगा प्रतिबंध हटा दिया है, लेकिन बाहर से आने वाले शिपमेंट को विनियमित करने के लिए शर्तें लगा दी हैं। इन शर्तों में न्यूनतम निर्यात मूल्य \$550 प्रति टन और 40% निर्यात शुल्क शामिल है। यह निर्णय खाद्य मुद्रास्फीति और आपूर्ति की कमी के बारे में चिंताओं के बीच आया है, साथ ही प्याज की खेती वाले राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र में आगामी लोकसभा चुनाव भी घोषणा के समय को प्रभावित कर रहे हैं।

निर्यात प्रतिबंध का संदर्भ

- उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और आपूर्ति की कमी की चिंताओं के कारण प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध शुरू में दिसंबर 2023 में लागू किया गया था।

- वैश्विक प्याज की कीमतें बढ़ गईं क्योंकि भारत, पाकिस्तान और मिस्र जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं ने भी निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया, जिससे घरेलू उपलब्धता के बारे में चिंताएं बढ़ गईं।

निर्यात नीति में परिवर्तन

- निर्यात प्रतिबंध हटाने का हालिया निर्णय सरकार के रुख में बदलाव को दर्शाता है, खासकर प्रमुख प्याज-खेती वाले क्षेत्रों में चुनाव से पहले।
- न्यूनतम निर्यात मूल्य और निर्यात शुल्क लगाने का उद्देश्य घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने और कीमतों को स्थिर करते हुए आउटबाउंड शिपमेंट को विनियमित करना है।

तर्क और मूल्यांकन

- महाराष्ट्र में लासलगांव मंडी जैसे प्रमुख प्याज बाजार केंद्रों में मौजूदा स्थिति का आकलन करने के बाद प्रतिबंध की समीक्षा की गई, जहां अप्रैल से कीमतें लगभग ₹15 प्रति किलोग्राम पर स्थिर बनी हुई हैं।
- 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य के ऊपर 40% शुल्क के साथ, भारतीय प्याज का निर्यात आर्थिक रूप से व्यवहार्य होगा यदि वैश्विक खरीदार कम से कम 770 डॉलर प्रति टन का भुगतान करने को तैयार हों।

घरेलू आपूर्ति पर प्रभाव

- प्रतिबंध का उद्देश्य शुरू में खरीफ और देर से खरीफ उत्पादन में गिरावट के बीच घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देना था।
- रबी 2024 की फसल के 191 लाख टन अनुमानित आगमन के साथ, सामान्य से अधिक मानसून के पूर्वानुमानों द्वारा समर्थित, घरेलू प्याज की आपूर्ति 2024-25 की खरीफ फसल के आगमन तक काफी सुलभ रहने की उम्मीद है।

2. एवियन फ्लू के प्रकोप के बीच बत्तख पालन पर मौत का खतरा मंडरा रहा है

प्रसंग : एवियन फ्लू के बार-बार फैलने, विशेष रूप से H5N1 के हालिया प्रकोप ने, केरल के कुट्टनाड में बत्तख पालन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे क्षेत्र में कई परिवारों की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पैदा हुई हैं। कई हॉटस्पॉट पर 65,000 से अधिक पक्षियों, मुख्य रूप से बत्तखों की मौत और हत्या ने हितधारकों के बीच अनिश्चितता और आशंका पैदा कर दी है।

बत्तख पालकों पर प्रभाव

- बत्तख पालने वाले अब्राहम ओसेफ ने हालिया प्रकोप के कारण 7,500 बत्तखों का अपना पूरा झुंड खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप काफी वित्तीय नुकसान हुआ।
- क्षेत्र में एवियन फ्लू के बार-बार सामने आने के कारण इसके प्रकोप ने कई बड़े और छोटे बत्तख किसानों को व्यवसाय छोड़ने पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है।

स्थिरता संबंधी चिंताएँ

- कुट्टनाड में पारंपरिक बत्तख पालन प्रथाओं की स्थिरता संदेह में है, पिछले एक दशक में बड़े बत्तख पालकों की संख्या में काफी कमी आई है।
- इस प्रकोप ने न केवल किसानों को सीधे प्रभावित किया है, बल्कि बत्तख के मांस और अंडों के व्यापार की निगरानी करने वाले अधिकारियों के लिए नियामक चुनौतियां भी पैदा कर दी हैं।

उत्पादन में गिरावट

- किसान संघों का अनुमान है कि कुट्टनाड में सालाना 10 लाख से 15 लाख बत्तखें पाली जाती हैं, लेकिन बर्ड फ्लू के मौजूदा प्रकोप से उत्पादन में और कमी आने का खतरा है।
- घर के अंदर की जाने वाली मुर्गी पालन के विपरीत, कुट्टनाड में बत्तख पालन में बत्तखों को खुले में पालना शामिल है, जिससे वे प्रवासी पक्षियों से संक्रमण के प्रति संवेदनशील हो जाती हैं।

सरकारी सहायता का महत्व

- विशेषज्ञ किसानों की आजीविका पर एवियन इन्फ्लूएंजा के प्रकोप के प्रभाव को कम करने के लिए सरकारी सहायता की आवश्यकता पर जोर देते हैं।
- एवियन फ्लू का प्रकोप न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करता है, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन को भी प्रभावित करता है, जो सक्रिय उपायों और अधिकारियों की सहायता के महत्व को उजागर करता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. A(H7N9) वायरस और A(H5N1) और A(H5N6) वायरस दुनिया भर में रिपोर्ट किए गए एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस से अधिकांश मानव बीमारी के लिए जिम्मेदार हैं।
2. एवियन इन्फ्लूएंजा A वायरस लोगों को संक्रमित नहीं करता है।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: a

व्याख्या : हालांकि एवियन (पक्षी) इन्फ्लूएंजा (फ्लू) A वायरस आमतौर पर लोगों को संक्रमित नहीं करता है, लेकिन इन वायरस से मानव संक्रमण के कुछ दुर्लभ मामले सामने आए हैं।

प्रश्न 2. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'नाइट्रोप्लास्ट' है:

- (a) नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाला जीवाणु
- (b) एक तेल खाने वाला बैक्टीरिया
- (c) शैवाल के भीतर एक अंग जो नाइट्रोजन गैस को कोशिका वृद्धि के लिए उपयोगी रूप में परिवर्तित कर सकता है
- (d) आनुवंशिक रूप से संशोधित नाइट्रोजन स्थिरीकरण संयंत्र

उत्तर: c

व्याख्या: नाइट्रोप्लास्ट शैवाल के भीतर का अंग है जो नाइट्रोजन गैस को कोशिका वृद्धि के लिए उपयोगी रूप में परिवर्तित कर सकता है।

प्रश्न 3. 'प्रोजेक्ट मरकरी' मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है:

- (a) नासा
- (b) इसरो
- (c) यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी
- (d) जैक्सा

उत्तर: a

व्याख्या : प्रोजेक्ट मरकरी संयुक्त राज्य अमेरिका - नासा का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम था, जो 1958 से 1963 तक चला।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा प्याज उत्पादक देश है।
2. प्याज एक समशीतोष्ण फसल है लेकिन इसे समशीतोष्ण, उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु जैसी जलवायु परिस्थितियों में उगाया जा सकता है।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या : दोनों कथन सही हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

